म्भूतामा भा हिस

सँथें उटेशिया उटि होते हैं से उटि हैं से उटि

(२) जिमि की प्रांत — रुधिजाणीम जिम प्रांत प्रांत प्रांत का प्रांत प्रांत प्रांत का प्र				
ஆர	प्रमिताप्ति भारतम् स्थापानाः न — १३भए व. प्रमाना (२)	स्री णा ष्ट		
ς	ாய•்ரா இீ ய	(шहुर्गार/धायाहुद र्गाद)		
ક	ीणार्ण हुँ क	(अम॰ठढ मंद)		
&	र्गास्म भागाद	(बीटिय के प्राप्त) के प्राप्त		
S	र्भम भार्गाद	<u> </u>		
Ģ	र्गाप्त भागूर व	(र्जाट्रह्रेंद्र) पार्भाग्राद		
ę	र्मम भागूद	भ्राह्म (५८८) भ्र ाह्म		
H	र्णस १ष्णण [्] णण् <u>र</u> ाद	(फ्रैंबर्नेफ्रूंद्रव) फ्रेग्लूंद्रव		
Ģ	र्भम ीष्णण णणूद	(ಜ್ಞಾನಿ ಬ್ಲಾ ಬ್ಲಾ ಬ್ಲಾ ಬ್ಲಾ ಬ್ಲಾ ಬ್ಲಾ ಬ್ಲಾ ಬ್ಲಾ		
ç	र्णम भा चित्राद	zmr zme		
80	र्भम भा फ्रांस्ट	જ્ઞાના કુમાં ક		
55	क्रिम जिल्ला क्रिम क्रिम क्रिम क्रिम क्रिम क्रिम	காஜு ஆசுஜ் ஆகை		
SS	मंम जिन्न प्राप्त प्राप्त क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्षेत्र प्राप्त क	ந்தாஜ் ஆசுல் இரு இரை இரை இரை இரை இரை இரு		
\$\$	(३) जिमल्भ र्गारह — रन्भुजान्ती जा न्युद			
SS	क्र आयू जिया अस्त विभाष्ट	दर्घद		
९६	ह्य भिष्णु भा असम ए भिष्ण	ಶ೧೯೯		
ડે.હે	उँण ह भस्म भार्भात्र भाँग	<i>2</i> ሴ。		
८%	उँ ह अस्म भार्मद भाँग	<u></u> ጀቤ₀		
૧	र्षाण इया प्राप्त विश्वास	রিৱ		
S\$	हर्जा एक अरम जिल्ला कि स्व	রিৱ		
80	एक हा माजू जिल्हा भाकि विभिन्न	छर्भेद		
28	एक हमायु जिस्स जिस्स जिस्स जिस	छर्भेद		
ઢઢ	हर्शकार्के ए मार्च जिल्हा जिल्हा	क्रियु-रिद्व		

23	ह्य कि ए कि एक विश्व कि प्राप्त कि विश्व कि	र्मा ५६ द	
Sa	एडे रस्त्रं ४०१४ ट्वांम स्थान स्थान विषय । स्थं राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र हारा वाम का भाव । स्थान		
	टॅएड छेन्न। मां किंदि हेन्स हैं		
	ਟੱਟਰ ਨੇਲਾ। лा॰ਫਰਫਿਟਰ ໝ්ລ। एਜ਼ੂயചា। ਟ්ਟ-ਟੱਟਖੇਰਲ ਦੂਹਨ ਟਪਨ <u>ੰਖ</u> ਾ ਸੀਫਨ රෟවර්වාල්,		
	ण तर्हे सा ए के व्यवस्था है जिस्सा स्थान के कि स्थ • • • • • • • • • • • • • • • • • • •		
	विष्ण भिन्न हो हो है जिस्स हो हो है जिस्स है जिस्स		
ફ્રફ	पूर्ण जयद जिल्ल	ऊरोमर, जे-प्रज्ञ (अन्नर्ध), जे-क्रेस, जे-जेन्स	
ફ્રફ	र्पाणु इंदर भिष्ण	হুৰ্ত্তর	
ક્ષર	ण्या चार्च विश्वा	2X°	
ફક	र्भाष्यु) द्रद भिष्ण	BKG	
gg	क्रांची अरद विभाग्ने अर्थ विभाग्ने	र् <u>र</u> ण्रद	
8.0	นึพ ธมัย นั้น ั้ เพื่อ	рхи	
22	क्रिमर, क्रर॰, इटेब्र, क्रस्ट шोम्मम क्रिडिन होरा प्राप्त क्राहेब्र		
22	ह्य प्राप्त भारत प्राप्त	वर्ष्ठव	
જ્જ	र्णेण ठरेड प्राचित्र	മധംഭ	
Sa	क्र (र्स्जा) भागू भाभरद भागू एक	20.a	
દ્ભુ	हर्जन हैं है	वर्षव	
દ્ભુ	ह र्गास संस शा भाषु था अरद \॰रद चौ	इम्हें (म्रेमें)	
ક્ષ્ય	ह्य जिस्तर अस विश्व विश्व विश्व विश्व रिक्	णभंद	
દ્ભુક	ह्य जिस्सी भारत ए अस्त भारत	(पार्भाष्मुद स्रांतम भाष्मुद) ष्राद	
୧୍ଲ	रू मंम ीण ग्रंपू ए अरद\॰रद रिपोर्क	(पार्गाम १७द हर्सम भाषा स्प्रद) म १७द	
08	रूरम भा भारू भा अस्त्र/भ्रत भाष्टे के	मध्य	
28	र्षण प्राप्त अपन्न भाग्ने विष्य	त्रलेख/इटेड्न-णू र्जा	
as	ह्य एक प्रमाण भारत विश्व प्रमाण क्ष	इऐज	
2S	ह्य कि मार्च ए अर्स भा भारू भा अरद १९ रद	रूद	
SS	ीणीएक जार्काराध्येम ीमराचि ट र्गार सङ्क्रम जा_समुद		
રજ	ह्य जिल्ला के जिल्ला के जिल्ला के जिल्ला		
9S	ण भारत भारत भारत भारत	2Ã	
RS	ण (ब्रु.स) गारण था ग्रायुञ्ज रूग्राद	யலியாக	
8 S	ह्य (द्वस) भारत भारत रिस जाहर	ग्रेण जैनद-ठ्रेंद	
S\$	न्ह्रीण प्राप्ते प्रमा ए मेनद	2#g	
60	७ (लु.स) भिष्णु भा भिष्णु रिस ह संद	ΣG _o £	
ęς	ठ (ढूम) भिष्णु भा भिष्णु-लुम रुप्परिहट	ण ⁶ ग्राम॰ग्रद रह ण ⁶ ष्ठद	
နွေ	ह्य (ब्रु.स.) भिष्णु भा भिष्णु-लुस ए पार्थं	्रिण पुजर	
နွေ	॥॥१० ଅर्भेट न्द्रम शिष्णमुद रिज्ञम ष्ट्रम मध्यम उभ	र्ण सहस ऋ जैंग्य्यट में ओवर हरेलः॥	
ęs	में ने निर्माण पार्टा कि प्रामं में महर्ष के में स्मार्थ भाद		
	णीमम रहे था र रिम) रदि भिग्न जी गए । दिह रहे था उमरा महूज जर्द पा रहे हैं।		
	गाठाणभूटे रंज , ग्रिजांचा छदर्ज आयू निषठंचा, ऋरूरागा		
	संस , उँदर्धाद राष्ट्रीय होते होता है		

နှင့	ह्र (छर्झ/१) प्रः वर्ष्ट भा रमहिद	मूह्य			
ଜ୍ ଡ	ाण गिरायु भिग रमर्रद्ध/४५८ भिष्ठमण प्राप्तमण प्राप्तम रमर्रद				
	॥ चित्रां क्षारा मारहा ।। विश्वास कार्य ।। विश्वस विश्वस विश्वस ।। विश्वस विश्वस विश्वस ।। विश्वस ।। विश्वस ।। विश्वस विश्वस ।। वि				
ፍዝ	(छम्)भाष्य) दर्ग्डल भा भाष्य-स्र्यंद	ीण ७-र्झ्य			
ှ ေ	ू ीण र्गाए-सर्घद/हर्घन्य भाष्ट्रमण पाराम र्गाए-सर्घद	ी आ अस्य — किर कि कि कि कि कि सम्बन्ध के प्राप्त			
	गटापर्ट पाममम्।गायू-वर्षव १८८२मध्य पाटाम् ।गायू-सर्गव ॥ १५५% भारत्य अर्थ्य , मवर्र , न्व्य				
	างเกาะเกาะเกาะเกาะเกาะเกาะเกาะเกาะเกาะเกาะ				
နှင့	र भस भा (र्स्स) भारत एस	≈तम⊯			
60	ह अस्म णा (र्स्म) भारू उभै	अरङ्- ७ अरङ			
ફડ	हरिण वा प्राप्त विकास क्रि. कि.स. कि				
હદ	ष्टमर्रम भा भाद	ॐर-भारत्र, मदर्श-भारत्र, देशमद्र) र्गारत			
હજી	र्गायु-व्रयम रिपार्ट	200g			
es.	णीमम ह ॐरदर,श्रासद क्रिडिट कि जिस्माण प्राध्यम रूप हिन्द कि				
	बर्र हें स्रा पाठने राजा				
ଡ଼ଡ	(ळूर्झ/१०००) दर्घ भा मारत	(र्रुत्सद) रर्जमंद			
୧୧	टा गार्य प्राप्त रिस्टर्ड भाजना प्राप्त भारत	-ിൽമാറം പിയുന്നു നി			
	रिजाधिय श्राप्त केंद्र में क्रिक्स केंद्र में केंद्र मेंद्र में				
ક્સ	र्खेस/भाष्टें) द्वारा किरात	हिल्ला अल्लावर प्रश्तिक कार स्थाप (र्मे स्थाप			
୧୨	ीज्याधीय जाटानिकार प्रामुस हा अन्तर्य — नित्रहरमर्थ प्राप्तिस अन्तर्भ समुप्रोधिष्य				
ၔၞၞ	णःम हर्मेषा जाणीलर्म जिल्ला अल्ला क्रिम्म हिम्म				
	एक एक एक एक, स्राधेब भिरद हाजभाणीय पा॰क ॥ प्रेशभा पाभ का भाणी में हाजभाणीय हाजभाणीय हाजभाणीय हाजभाणीय हाजभाणीय				
30	थाजीम भामन्त मेद	T			
288	ह्य ग्राम भाभव ५५				
288	ल मंम भामंत प्रांप	≥2,m			
388	ह रिम भा भागप्रिम ए भाम मेम भा मेद	्राण्य हा मायू प्राते हुन हो भार प्रात्ते हुन हो है			
SK	ह प्रदेश भाभव भूक	 			
፠ፍ	ह प्राप्ते भाभेद ५५	万			
3F	ह्य हैं है	2000			
333	र्णेय - ट्रेंट (प्राप्ट) हरण धार्य ए सेस रिस्स प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त	<u> </u>			
39 9	ह (ज्या होदर) भियुर्म भा जर्मद १ भियु	282			
38	ह (र्जा होरूस) प्राप्त प्रमाण अमेद ए प्राप्त	ಶಾಲದ			
90	ह (छन्य होन्स) गिर्पूय रिम भिग छमेद ए भिष्य				
φς • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	ह (र्या होरूस) गिर्प्य रिम भा अमेद १ भिर्प्य	्रहर्मास इस्			
98	ह (छन्य होन्स) भियु रिम रिम श्रा श्रामय				
68	ह (र्य होरूप) भियु रिम रिम एक अनेद ए रिमपूर	्रत्याम् इ.स.म.			
98	ह (छन्म होन्स) गिर्पू रस भिग्न अंतर ए गिर्पू	SCHE			
မှင င	ह (र्ज होन्स) भियु रस भिय अर्भेद ए भियु	2 SCE-CML			
ଜ ଡ଼	हाए हें हैं है जिस होते हैं है जिस है				
	MACE TO IT THE POWER IN EVIL OF POSSENCE OF THE INTERIOR POSSENCE OF THE INCOME.				

sж	रूस ॥ गूयर्थ (८०० क. १८०) प्राप्त म्हार १८०४ प्राप्त भारत है स्थान भारत है भारत भारत स्थान		
	एक हैं है		
	മ്പ് നായ്ക്കുന്നു പ്രത്യായിക്കു വരു വര്യ വര്യ വര്യ വര്യ വര്യ വര്യ വര്യ വര്യ		
၄ၞေ	(成 トマル ひ かり)		
£0	टुगो/टुगारी ार्ण क्रांते ए टुगो शास्त्र जात्युर्गार हु	दर्घद	
şç	ह्य शासी भारत है असी भारत है	7ुंख	
\$8	ह्य अंस विश्व के आर प्राप्त कि स्वार्थ के प्राप्त प्राप्त	ΣΧ°	
£ %	ह्य संस ीण भिर्यू प्र संस ीण भिर्यू भिर्म	2X°	
SŞ	(ह्र क्र ए ए ए ए ए ए ए ए ए ए ए ए ए ए ए ए ए ए ए		
ၜၞၜ	ह्य आत्म रेणा आर प्राप्त प्राप्त कर्	ಶ೧೯೯	
ၞၞၔ	ह्य र्गातम था र्गारपू ए संस था रामपूर्/मारपू	ছট্ছ	
FX	ह्य अंअ भा आयू प्र शास्त्र भा भायूर्/भायू	2XE	
ၞၞၞ	ळ झिम ीणा आर्यू ७ सिम ीणा प्रार्यू र्जार्यू	ъж е	
ၞၞၞ	शाणीम भा ८००म ४०७। व्याप्त व्यापत व्याप्त व्यापत व्याप		
900	ह र्माणु ४५७और उरायाणु अस्यू प्रत्या विद्याचारत	ෆ්ෆ්හීෂ/කවස	
202	ह्मांयू विश्वचारत प्रथण्योख प्रत्र विश्वचित्र	ष्ठमर्रद	
302	ह्यां म्हा प्राप्त	र्रु स्व	
30%	മാഷ് പ്രാപ്ര വ്യാത്ര വാധി വാധി വാധി വാധി വാധി വാധി വാധി വാധി	र्धव	
808	ଆନ୍ଠେକ ହଳ୍ପକ୍ରୀଷ		
	द स्राति है , इस है जिल्ला सिवाय के लाडूद स जिल्ला		
	भिद्रं ह ौर्प ॥ १५५ में भारत ह भारू भारत , भरत		
	हुग्रा ॥ अहत्वीय , दरि ठ छैं।या प्रामम निहर छैं।या म्थान	3 63	
50¢	हण्डीख ग्राँए प्रहास होता हो सब्देश , हो स्वार्थ सदर्श गाम क्षित्र भारत हो स्वार्थ स्वार्थ हो स्वार्थ स्वार्थ स		
	उमरे ॥ दक्षा राज्येष पानुवरं, करेर राज्ये एट नाज्य राज्यार सम्माणित प्राप्त रहे जाता विकास		
	र्म हेर्म होर्म हेर्म होर्म होर होर्म होर होर्म होर होर होर्म होर्म होर्म होर्म होर्म होर्म होर्म होर्म होर्म होर्		
	विष्य प्रकृत हिन्दी में अर्थ है		
	त्रेन्न सूर्याण्या ॥		